नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

दक्षिण दिल्ली - I

: संयोजक :

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

मुख्य कार्यालय

भविष्य निधि भवन, 14 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली - 110 066

ई मेल: tolic.epfo@epfindia.gov.in वेबसाईट: epfindia.gov.in दूरभाष:011-26712146

पत्रांक: कभनिसं/मुख्यालय/नराकास दक्षिण दिल्ली-I/2017/बैठक/2669 दिनांक: 18 FEB 2021

सेवा में,

कार्यालय प्रभारी,
सभी संबंधित सदस्य कार्यालय,
नराकास दक्षिण दिल्ली-I

विषय: दिनांक 29.01.2021 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की आठवीं बैठक के कार्यवृत्त।

महोदय/ महोदया,

दिनांक **29.01.2021** को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण दिल्ली-I की **आठवीं बैठक** के कार्यवृत्त की प्रति आपके सूचनार्थ व आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित है।

आपसे निवेदन है कि इस कार्यवृत्त में दर्शाई गई मदों पर यथापेक्षित कार्रवाई सुनिश्चित कर अनुपालन रिपोर्ट शीघ्र भेजने का कष्ट करें।

(सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित)

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि।

(एन. के. मिश्र)
सहायक निदेशक (राजभाषा) सह सदस्य सचिव,
नराकास, दक्षिण दिल्ली-I

सूचनार्थ प्रति:

1. सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ।
2. उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दिल्ली), ए-149, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली - 110023 । **(के नाम से: श्री कुमार पाल शर्मा)**
3. उप निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना (मध्योत्तर), लेवल-6, ईस्ट ब्लॉक-7, सेक्टर-1, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110066 । **(के नाम से: श्रीमती कमलेश बजाज)**
4. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, एन.डी.सी. - इस आशय के साथ कि कृपया "नराकास" टैब पर अपलोड करें ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण दिल्ली - I की दिनांक 29.01.2021 को श्री सुनील बड़थ्वाल, भा.प्र.से., कें.भ.नि.आ. की अध्यक्षता में आयोजित आठवीं बैठक के कार्यवृत्त.

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण दिल्ली-। की आठवीं छमाही बैठक दिनांक 29.01.2021 को अपराह्न 03:00 बजे ऑनलाइन (वेबेक्स के माध्यम से) आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री सुनील बड़थ्वाल, भा.प्र.से., केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा की गई। बैठक में संयोजक कार्यालय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, मुख्यालय से श्रीमती उदिता चौधरी, अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मुख्यालय) / प्रभारी राजभाषा, श्री आर. एम. वर्मा, अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (राजभाषा), श्री एम.पी.एस. राठौरिया, उप निदेशक (राजभाषा), मुख्यालय तथा श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, उत्तरी क्षेत्र-।, श्रीमती कमलेश बजाज, उप निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना सहित कुल 56 कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख / प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में शामिल प्रतिनिधियों से संबंधित सूचना **परिशिष्ट-'।'** पर दी गई है।

बैठक का शुभारंभ अध्यक्ष महोदय सहित सदस्य कार्यालयों से आए कार्यालय प्रमुखों / प्रतिनिधियों, राजभाषा विभाग के अधिकारियों के हार्दिक स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात् दिनांक 26.08.2020 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण दिल्ली-। की सातवीं बैठक के कार्यवृत्त की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई।

इसके पश्चात् पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए सदस्य सचिव श्री एन. के. मिश्र, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने समिति को अवगत कराया कि दिनांक 26.08.2020 को आयोजित सातवीं बैठक में चर्चा के दौरान कें.भ.नि.आ./अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिए थे कि कार्यालयों के पुस्तकालयों हेतु हिंदी कहानियों व साहित्य से संबंधित (1) किंडल तथा (2) पॉडकॉस्ट की खरीद के बारे में सदस्य कार्यालयों द्वारा की गई कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी जाए। समिति को सूचित किया गया कि क.भ.नि.सं. मुख्यालय द्वारा इस संबंध में पुस्तकालय हेतु किन्डल उपलब्ध कराया गया है। साथ ही, हिंदी में किन्डल / पॉडकास्ट का प्रयोग करने के संबंध में परिपत्र परिचालित किया गया है, ताकि सभी अधिकारी / कर्मचारी इन माध्यमों से हिंदी साहित्य से जुडकर लाभान्वित हों। सदस्य कार्यालयों द्वारा भी इस संबंध में अनुपालन कार्य किया जा रहा है; जिनमें प्रमुख हैं : (i) सशस्त्र सेना चिकित्सा सामान डिपो, दिल्ली छावनी, (ii) भारतीय खेल प्राधिकरण, (iii) कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, (iv) केन्द्रीय विद्यालय, प्रगति विहार, (v) क.भ.नि.सं., क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली दक्षिण, (vi) केंद्रीय विद्यालय संगठन, (vii) केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, (viii) सी-डॉट ।

सदस्य सचिव ने समिति को अवगत कराया कि बहु-प्रतीक्षित **नराकास की हिन्दी पत्रिका "स्पंदन" की ई-प्रति** आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसका लिंक भी सदस्य कार्यालयों के बीच परिचालित किया जा चुका है। साथ ही, उन्होंने समिति को अवगत कराया कि अधिकांश सदस्य कार्यालयों ने सातवीं बैठक के कार्यवृत्त की अनुपालन रिपोर्ट प्रेषित की है। इस संबंध में संयोजक कार्यालय सहित सदस्य कार्यालयों में आयोजित राजभाषा संबंधी विभिन्न गतिविधियों / आयोजन पर

प्रकाश डाला गया। समिति को अवगत कराया गया कि नराकास, दक्षिण दिल्ली-। का व्हाट्सएप ग्रुप अध्यक्ष महोदय की परिकल्पना है और यह सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। व्हाट्सएप ग्रुप के ज़रिए अत्यधिक ट्वीट्स करते हुए राजभाषा संबंधी अद्यतित सूचना सदस्यों तक पहुंचाने वाले सदस्यों के बारे में उन्होंने समिति को अवगत कराया।

तदुपरांत, सदस्य सचिव ने सदस्य कार्यालयों से प्राप्त 01.04.2020 से 30.09.2020 तक की छमाही रिपोर्ट की नोडल कार्यालयों द्वारा की गई समीक्षा पर प्रकाश डाला। उन्होंने समिति को अवगत कराया कि इस बैठक हेतु अधिकांश सदस्य कार्यालयों से रिपोर्ट्स प्राप्त हो गई हैं। साथ ही सभी नोडल कार्यालयों द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यालयों की समीक्षा उपलब्ध कराई गई है। नोडल कार्यालयों से जो समन्वय एवं सहयोग प्राप्त हो रहा है, उसके लिए उन्होंने, उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी कार्यालयों से आग्रह किया कि वे अपने नोडल कार्यालय का यथासंभव सहयोग प्रदान करते हुए अपनी रिपोर्ट समय से प्रेषित करें। उन्होंने सभी कार्यालयों से आग्रह किया कि कृपया वे नराकास की वेबसाइट तथा व्हाट्सएप ग्रुप के संपर्क में रहें , ताकि बैठक की तिथि व अन्य क्रियाकलापों की नवीनतम जानकारी आपको मिल सके।

राजभाषा कार्यान्वयन में जिन कार्यालयों ने उत्कृष्ट कार्य किया है , उन कार्यालयों के ब्यौरे समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

(कार्रवाई – सभी सदस्य कार्यालय)

बैठक की संचालिका श्रीमती हेमा प्रधान, सहायक निदेशक (सतर्कता) ने सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि अपने उत्कृष्ट एवं प्रभावी क्रियाकलापों को साझा करते हुए कृपया अपनी बात रखें।

सबसे पहले **केंद्रीय रेशम बोर्ड** के श्री महेश साव, कनिष्ठ अनुवादक ने यह जानना चाहा कि हिन्दी शिक्षण योजना द्वारा आयोजित पारंगत परीक्षा के लिए पात्रता क्या है ? क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय से श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्या.) ने इसका उत्तर देते हुए समिति को अवगत कराया कि पारंगत पाठ्यक्रम, उन कर्मचारियों को हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त कराने के लिए है , जिन्हें कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

श्रीमती कमलेश बजाज उप निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना ने अपने संबोधन में समिति के सदस्यों को हिंदी शिक्षण योजना से संबंधित विभिन्न मदों पर अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई । उन्होंने सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया है कि नए टंकण एवं भाषा प्रशिक्षण के सत्र में अधिकाधिक कर्मचारियों को नामित किया जाए। साथ में पारंगत पाठ्यक्रम पर विशेष प्रकाश डालते हुए उन्होंने सदस्य कार्यालयों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऑनलाइन /ऑफलाइन, दोनों रूप में पारंगत पाठ्यक्रम उपलब्ध है। सभी पदों के लोग इसके पात्र हैं तथा भाषा की भी कोई सीमा नहीं है। जिन कर्मचारियों को हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त हैं, उन्हें इस परीक्षा हेतु नामित कर सकते हैं। इसमें पुरस्कार राशि भी अब घोषित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी साझा किया कि विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र वर्ष 2018 तक जारी कर दिए हैं। अब वर्ष 2019 के प्रमाण - पत्र फरवरी, 2021 से जारी किए जाएंगे।

राष्ट्रीय नगर कार्य कोर संस्थान के श्री नवीन माथुर, राजभाषा प्रभारी ने प्रश्न किया कि क्या

पारंगत पाठ्यक्रम संविदा पर कार्यरत कर्मियों के लिए लागू होगा और इस परीक्षा हेतु क्या कोई शुल्क देय है? इसका उत्तर देते हुए उप निदेशक, हि.शि.यो. ने स्पष्ट किया कि संविदा पर कार्यरत अधिकारियों / कर्मचारियों को इस कार्यक्रम के लिए नामित किया जा सकता है। इसके लिए कोई शुल्क देय नहीं है तथा जो भी पुरस्कार देय हैं, वे संबंधित कार्यालय के क्षेत्राधिकार के अनुसार दिए जा सकते हैं।

राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान से श्रीमती वंदना शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) का प्रश्न था कि जब कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों के लिए पारंगत प्रशिक्षण लागू है , तो क्या हिंदी शिक्षण योजना के प्रशिक्षक, सदस्य कार्यालय जाकर प्रशिक्षण कर्यक्रम आयोजित कर सकते हैं ? इसके प्रत्युत्तर में उप निदेशक, हि.शि.यो., ने स्पष्ट किया कि यदि कार्यालय से इस तरह का प्रस्ताव आता है, तो निश्चित रूप से संबंधित कार्यालय में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा सकती है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पारंगत पाठ्यक्रम पर विस्तृत जानकारी के लिए शीघ्र ही परिपत्र जारी किए जाएंगे।

(कार्रवाई – सभी सदस्य कार्यालय)

श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) ने समिति को संबोधित करते हुए सबसे पहले वर्तमान परिस्थितियों में बैठक के स्तरीय संचालन हेतु अध्यक्ष महोदय एवं नराकास की पूरी टीम को बधाई दी। पिछले निर्णयों के कार्यान्वयन एवं अनुपालन रिपोर्ट के काफी उत्साहवर्धक होने पर उन्होंने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने हाल ही में आयोजित आलेख एवं साक्ष्य समिति के विचार विमर्श कार्यक्रम के दौरान समिति द्वारा व्यक्त महत्वपूर्ण दिशानिर्देशों को समिति से साझा किया :

1. नराकास की बैठकों में कार्यालय प्रमुख अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।
2. कार्यवृत्त प्राप्त होने के पश्चात् सभी सदस्य कार्यालय कृत कार्रवाई रिपोर्ट नराकास को अवश्य भेजें।
3. राजभाषा विभाग के पोर्टल पर रिपोर्ट अवश्य अपलोड करें।

साथ ही, उन्होंने अनुरोध किया कि राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित कंठस्थ अनुवाद , जो स्मृति आधारित अनुवाद प्रोग्राम है, पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु नराकास पहल करे। उन्होंने कहा कि "स्पंदन" ई पत्रिका पुस्तकालय में रखी जा सकती है। साथ ही राजभाषा विभाग की साइट पर ई-पुस्तकालय में इसे संरक्षित किया जा सकता है। सभी सदस्य कार्यालयों से उन्होंने अनुरोध किया कि वे भी अपनी गृह पत्रिकाओं को राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर लिंक देते हुए अपलोड करें ताकि वे भी पुस्तकालय का हिस्सा बनें और सभी के लिए सहज रूप से उपलध हों। चूंकि राजभाषा विभाग द्वारी जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्य के अनुसार 'क' क्षेत्र के लिए हिंदी टंकण प्रशिक्षण हेतु निर्धारित लक्ष्य 70% है, अतः अधिक से अधिक कर्मचारियों को हिंदी टंकण के प्रशिक्षण हेतु नामित करने पर उन्होंने बल दिया। सदस्य कार्यालयों से उन्होंने अनुरोध किया है कि प्रशिक्षण संबंधी वर्ष का कैलेंडर नराकास को उपलब्ध कराएं। कार्यान्वयन के मुख्य लक्ष्यों पर सभी सदस्यों का ध्यान आकर्षित करते उन्होंने कहा कि हिन्दी में मूल रूप से पत्राचार बढ़ाएं। उन्होंने आगे कहा कि यह सुखद स्थिति है कि हिंदी में नोटिंग की मात्रा दिन -प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'क' एवं 'ख' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में ही दिए जाएं, बैठकें नियमित रूप से आयोजित हों, राजभाषा नियम 5 व नियम 7, धारा 3 (3) का अनुपालन हो, हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारी /कर्मचारी अपना शत प्रतिशत काम हिंदी में करें, तथा कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारी अपने न्यूनतम 75% कार्य हिंदी में करें। उन्होंने आह्वान किया कि जो सदस्य कार्यालय राजभाषा नियम 10(4) के तहत अधिसूचित नहीं हैं, वे कृपया इस दिशा में सतत प्रयत्नशील रहें।

किंडल के प्रयोग से हम ई-पुस्तकालय की ओर अग्रसर हो रहें है। इस पहल के लिए उन्होंने अध्यक्ष महोदय का आभार जताया। उन्होंने कार्यालय प्रमुखों से आग्रह किया कि पुस्तकालय से संबंधित अद्यतित सूचना सभी स्टाफ सदस्यों को देने हेतु कार्यालय में प्रदर्शनी लगाएं। उन्होंने समिति के समक्ष हिंदी में पदों की स्थिति के बारे में बात करते हुए कहा कि जहां अनुवाद से जुड़े कर्मी हैं, वहां राजभाषा को निश्चित रूप से प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानक पदों के सृजन तथा संस्वीकृत पदों के अनुसार रिक्त पदों को भरा जाना आवश्यक है। सदस्य कार्यालय, रिक्त पदों की सूचना नराकास को अवश्य दें। सदस्य कार्यालयों से उन्होंने अनुरोध किया कि, चूंकि हिंदी के पदों के अनुसार हिंदी के कार्यान्वयन में आशातीत प्रगति हुई है, अतएव रिक्त पदों को भरा जाना तथा पदोन्नति के समुचित अवसर प्रदान किया जाना और भी आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और यह सिर्फ हमारा वैधानिक / संवैधानिक दायित्व ही नहीं है, बल्कि हमारा नैतिक दायित्व भी बन जाता है। किसी शायर ने क्या खूब कहा है: **"जब फैसला कर ही लिया ऊंची उड़ान का, तो देखना फिजूल है कद आसमान का"**। तात्पर्य यह कि हिंदी में कार्य करने में जो कठिनाइयाँ आती है, हम उसे भी पार कर लेंगे। किसी दार्शनिक की कुछ पंक्तियां साझा करते हुए उन्होंने कहा कि **"माताओं का और भाषाओं का सम्मान और सेवा उनकी संतानों के द्वारा की जाती है"**। अतः हम अपनी भाषा की सेवा व उसका सम्मान करें।

(कार्रवाई – सभी सदस्य कार्यालय)

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कोविड के बावजूद हमने अपनी बैठकों का सिलसिला छोड़ा नहीं है; हमने कैलेंडर रूकने नहीं दिया, यानि कि प्रत्येक छमाही में बैठकों का आयोजन नियमित रूप से किया गया। यद्यपि, इतने कार्यालयों को जोड़ना भी सहज नहीं है। उन्होंने कहा कि 'मुझे इसकी खुशी है कि हमने नए -नए विचारों को अपनाया और उन पर कार्य भी किया, हमारी कई पहल सराहनीय रही हैं।' उन्होंने कहा कि हिंदी कार्यों की समीक्षा में यह देखकर खुशी हुई कि 27 कार्यालय उत्कृष्ट श्रेणी में हैं; उन कार्यालयों को बधाई। किंडल की बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहल जब हम ने शुरू की, तब लगा कि शायद यह सफल रहे ना रहे; पर यह जानकर खुशी हुई कि यह अत्यधिक सफल रहा। ई-पुस्तकालय / वहाट्सअप की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अगर ये पहल हम ना करते तो कोविड के दौरान जुड़ाव में कमी होती । नराकास पत्रिका 'स्पंदन' के रचनाकारों को बधाई देते हुए उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल जमाने की अपेक्षा पर खरे उतरने के प्रयास को हमने साकार किया। निश्चित रूप से यह एक प्रेरक कदम है। नियमित रूप से वहाट्सअप पर ट्वीट करने वालों की उन्होंने सराहना की तथा इस बात पर बल दिया कि उपयोगिता एवं सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी पखवाड़े के दौरान या अन्य विशिष्ट

आयोजन पर इन्हें पुरस्कार / प्रोत्साहन से जोड़ा जाना चाहिए।

पॉडकास्ट की सराहना करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, दिनकर की पॉडकास्ट तो सुनी है – 'स्पंदन' के रचनाकार अगर अपनी कहानियों को सुना सकें , तो यह हमारी एक बड़ी उपलब्धि होगी। प्रोत्साहन स्वरूप उन्होंने साझा किया कि बाराक ओबामा की ऑडियो पुस्तक में उनकी खुद की आवाज है। उन्होंने आह्वान किया कि अगर आप सक्षम हों, तो अपनी कहानी को पॉडकास्ट के माध्यम से सबके समक्ष रखने का प्रयास अवश्य करें। उन्होंने कार्यालय प्रमुखों से आह्वान किया कि इस दिशा में यथासंभव सहयोग दें।

हिंदी की व्यावहारिकता एवं तकनीक पर जोर देते हुए उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल युग में हम कोशिश करें कि डिजिटल रूप से हिंदी को कैसे आगे बढ़ाया जाए। इसी क्रम में समिति को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिशा में कार्य कर रहे लोगों को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत करने हेतु राजभाषा विभाग / हिंदी निदेशालय द्वारा निश्चित रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि डिजिटल मीडियम से लोग हिंदी से अधिक से अधिक जुड़ें और हिंदी में कार्य करें।

अध्यक्ष महोदय ने रचनात्मकता, सृजनशीलता तथा तकनीक के निरंतर नई पहल हेतु प्रयास का आह्वान किया, साथ ही उन्होंने बैठक में सौहार्दपूर्ण सहभागिता हेतु सबको धन्यवाद दिया।

(कार्रवाई – सभी सदस्य कार्यालय)

बैठक की संचालिका श्रीमती हेमा प्रधान ने अध्यक्ष महोदय के प्रति विशेष रूप से आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अति व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर अपने नए एवं गुरुत्वपूर्ण विचारों से हमारा मार्गदर्शन किया। बैठक में उपस्थित सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों / प्रतिनिधियों तथा हिंदी से जुड़े अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए सधन्यवाद बैठक संपन्न हुई।

परिशिष्ट-I

नराकास, दक्षिण दिल्ली-I की आठवीं छमाही बैठक में शामिल प्रतिनिधियों की सूची:

क्र. सं.	सदस्य कार्यालय का नाम	अधिकारी का नाम और पदनाम	कार्यालय प्रभारी
1.	सी.एस.आई.आर. - केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, दिल्ली मथुरा रोड, नई दिल्ली	प्रोफेसर सतीश चंद्र, निदेशक श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी	हां
2.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, शहीदजीत सिंह मार्ग, कटवारिया सराय, नई दिल्ली – 110016	श्रीमती निधि पांडे, आयुक्त श्री राजसिंह यादव, सहायक निदेशक (रा.भा.)	हां
3.	रक्षा लेखा महानियंत्रक कार्यालय, उलान बटार रोड, दिल्ली छावनी -10	डॉ. अमित गुप्ता, भा.र.ले.से.. श्री रवि कुमार, क.अनु.अधि.	हां
4.	वायुसेना स्टेशन नई दिल्ली, रेस कोर्स, नई दिल्ली	एस.एल. अनिल कुमार, वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार, व. अनुवाद अधिकारी	हां
5.	सशस्त्र सेना चिकित्सा समान डिपो, दिल्ली छावनी	ब्रिगेडियर राजेश वर्मा	हां
6.	राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान, लोधी रोड, नई दिल्ली	श्री हितेश वैद्य, निदेशक श्री नवीन माथुर, राजभाषा प्रभारी	हां
7.	भारतीय राष्ट्रीय सहकारी आवास संघ, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली	श्री एन.एस. मेहरा, मुख्य कार्यकारी	हां
8.	पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा अकादमी, जनकपुरी, नई दिल्ली	सुश्री मृदुला घई, निदेशक श्री राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भ. नि. आयुक्त-I श्रीमती मंजीत सिंह, अनुभाग अधिकारी	हां
9.	प्रादेशिक निदेशक (उ.क्षे.) कार्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-3	डॉ. राजसिंह, क्षेत्रीय निदेशक श्री विद्यानंद तिवारी, हिंदी अनुवादक	हां
10.	राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, महिपालपुर, नई दिल्ली	श्री संजय माथुर, संयुक्त निदेशक श्री विजय सिंह, उप निदेशक (प्रशा.) श्री सुधा वर्मा, सहा. निदेशक (रा.भा.)	हां

11.	क्षेत्रीय कार्यालय, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, अगस्त क्रांति भवन, नई दिल्ली	श्री दाशरथी बेहरा, सहायक सचिव (तक) श्री महेश साव, कनिष्ठ अनुवादक (हिंदी)	हां
12.	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स, सी-डॉट परिसर, महरौली, नई दिल्ली	श्री जी. मुकुंदन, रजिस्ट्रार श्रीमती विभा बिष्ट, कार्यपालक (राजभाषा) श्रीमती रेश्मा, सहायक कार्यपालक, (राजभाषा)	हां
13.	दिल्ली छावनी परिषद, दिल्ली छावनी	श्री एस .वी.आर. चंद्रशेखर, मुख्य अधिशासी अधिकारी श्री अमित कुमार मिश्रा, हिंदी अधिकारी	हां
14.	राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान सेक्टर-8, द्वारका, नई दिल्ली	श्री अमित शर्मा, निदेशक डॉ. वंदना शर्मा, सहायक निदेशक (रा.भा.)	हां
15.	रक्षा संपदा महानिदेशालय, रक्षा संपदा भवन, दिल्ली छावनी	श्रीमती दीपा बाजवा, महा निदेशक श्रीमती विभा शर्मा, अपर महा निदेशक श्रीमती चारू तिवारी, स. निदेशक (रा.भा.) श्री विक्रम सिंह, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	हां
16.	रेल संरक्षा आयोग, उत्तर परिमंडल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली	श्री राजमल खोईवाल, मुख्य अभियंता श्री गिरीश चन्द, हिन्दी सहायक	हां
17.	पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, झड़ौदा कलां, नई दिल्ली	श्री प्रवीण कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री अंकित गहलोट, सुबेदार	हां
18.	जवाहर नवोदय विद्यालय, मुंगेशपुर, दिल्ली	श्रीमती ममता त्रिवेदी, प्राचार्य डॉ. बिमला नारा	हां
19.	केन्द्रीय विद्यालय, प्रगति विहार, लोधी रोड, नई दिल्ली	श्रीमती ममता शर्मा, प्राचार्य, श्रीमती उषा नरुला (प्रशिक्षित स्नातक)	हां
20.	राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, सिरी	श्री के. सी. जॉर्ज, संयुक्त	हां

	इंस्टिट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-16	निदेशक	
21.	निदेशालय (चिकित्सा), प्रशासनिक (खंड), कर्मचारी राज्य बीमा योजना औषधालय परिसर, बसईदारापुर, नई दिल्ली	डॉ. अंशु छावड़ा, अपर निदेशक श्री सतीश कुमार, सहायक निदेशक (रा.भा.)	हां
22.	भारतीय खेल प्राधिकरण, लोधी रोड, नई दिल्ली	डॉ. राजीव सरीन, निदेशक श्रीमती आशा, व. हि. अ.	हां
23.	शिक्षा अनुभाग, 27 उपस्कर डिपो, भारतीय वायु सेना, दिल्ली छावनी	श्री राघवेंद्र गोस्वामी, वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी श्री बृजेश मिश्र, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक	हां
24.	रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक, (सीमा सड़क), सीमा सड़क भवन, दिल्ली छावनी- 10	सुश्री सोनल, भा.र.ले.से., सहायक नियंत्रक (प्रशा.) श्री शिव कुमार मीना, हिन्दी अनुवादक	हां
25.	राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग महाविद्यालय, लाजपत नगर, नई दिल्ली	डॉ. डेज़ी थॉमस, कार्यवाहक उप प्राचार्य श्रीमती मधु जोशी, अनुवादक	हां
26.	स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, कैन्टीन भंडार विभाग किरबी प्लेस, दिल्ली छावनी	श्री कृष्ण कुमार, लेखा परीक्षा अधिकारी	हां
27.	कार्यालय सीमा शुल्क (निर्यात), अन्तर्देशीय कन्टेनर डिपो, तुगलकाबाद, नई दिल्ली	श्री मोहन कुमार सिंह, प्रधान आयुक्त	हां
28.	कर्मचारी राज्य बीमा निगम मॉडल अस्पताल, बसईदारापुर, दिल्ली	डॉ. संजय कुमार मिश्र, अपर चिकित्सा अधीक्षक श्री सुनील कुमार, व.हि.अ.	हां
29.	रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक (प्रशासन), कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना/तटरक्षक), आर.के. पुरम, नई दिल्ली	श्री बिपिन दास, सहायक नियंत्रक, आईडीएएस श्री गौरव सिंह चौहान, कनिष्ठ हिंदी अधि.	हां
30.	कमान अधिकारी, सशस्त्र सेना आधान केन्द्र, दिल्ली छावनी	कर्नल एस. वेंकटेशन, ले.कर्नल, कमान अधिकारी	हां
31.	केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क (बोर्ड) हवाई कार्गो निर्यात, नवीन सीमा शुल्क भवन, नई दिल्ली	सुश्री सिम्मी जैन, प्रधान आयुक्त	हां

		श्री संजीव कुमार, हिन्दी अनुवादक	
32.	केंद्रीय विद्यालय, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली	श्री मुकेश कुमार, प्राचार्य श्रीमती सुनील कुमारी, पी. जी. टी., हिंदी	हां
33.	केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, पश्चिमी ब्लॉक-II, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-66	श्री एस.के. जुनेजा, वैज्ञानिक-डी सुश्री प्रज्ञा, हिंदी अनुवाद अधिकारी	हां
34.	केन्द्रीय विद्यालय, वायु सेना स्थल, अर्जनगढ़, दिल्ली-47	श्रीमती मधु सिंह, प्राचार्य श्री मोहित राज, पी.जी.टी. हिंदी	हां
35.	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली (दक्षिण), द्वारका, नई दिल्ली	श्री शशांक दिनकर, क्षे.भ.नि.आ. - I श्रीमती पूनम तोमर, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक	हां
36.	अन्तर्राष्ट्रीय अनुश्रवण केन्द्र, बेतार अनुश्रवण संघटन, दूरसंचार विभाग, घिटोरनी, नई दिल्ली	श्री अरविंद एम., प्रभारी अभियंता श्री सुखबीर सिंह, अभियंता सुश्री सुमन चौधरी, सहायक निदेशक	हां
37.	केंद्रीय भूमि जल प्रधिकरण, 18/11, जामनगर हाउस, मानसिंह रोड, नई दिल्ली	श्री एस.के. जुनेजा, वैज्ञानिक-डी श्री राकेश कुशवाहा, वैज्ञानिक सुश्री खुशबू आनंद, वैज्ञानिक (प्रभारी राजभाषा)	हां
38.	कार्यालय सीमा शुल्क (आयात) अन्तर्देशीय कन्टेनर डिपो, तुगलकाबाद, नई दिल्ली	श्री मोहन कुमार सिंह, प्रधान आयुक्त श्री एल.के. महेश्वरी, सहायक आयुक्त श्री प्रेम राज मीणा, अधीक्षक	हां
39.	वरिष्ठ लेखा अधिकारी, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक कार्यालय, के.कामराज मार्ग, नई दिल्ली	श्री वीरेंद्र शर्मा, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक	हां
40.	पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ, भीकाजी कामा प्लेस, नई	श्री राजीव खन्ना, निदेशक	-

	दिल्ली	(परिवहन) सुश्री अनुप्रिया शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा)	
41.	राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली	श्री दीपक आशीष कौल, निदेशक (वित्त एवं प्रशा.) डॉ. प्रदीप कुमार, उप निदेशक (वि. एवं प्र.) श्री गिरीश चंद्र, सहायक निदेशक, (वि. एवं प्र.)	हां
42.	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली (पश्चिम), द्वारका, नई दिल्ली	श्री उत्तम प्रकाश, क्षे.भ.नि.आ. - I	हां
43.	क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज.2 नई दिल्ली	श्री जय प्रकाश पांडे, वरिष्ठ रसायनज्ञ	हां
44.	रक्षा लेखा उप नियंत्रक (वायु सेना), कार्यालय, रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (वायु सेना), भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, सुब्रोतो पार्क, दिल्ली कैंट	श्रीमती रवि किरण, उप नियंत्रक, डीसीडीए श्रीमती प्रभा, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक	हां
45.	केन्द्रीय माल और सेवाकर, पश्चिमी दिल्ली, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली	श्री मोहम्मद हादीस अली, सहायक आयुक्त	-
46.	पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, राष्ट्रीय राज मार्ग-8, महिपालपुर, नई दिल्ली	श्री वी.के. गौतम, सहायक निदेशक श्री श्री विजय कुमार, सम्पादक	-
47.	नेशनल इंफोर्मेटिक्स सेंटर सर्विसिज़ इंक., इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली	श्री विवेक गुप्ता, महा प्रबंधक श्री सन्नी जैन, सचिव	-
48.	अपर महानिदेशक, माल एवं सेवाकर महानिदेशालय, एम.टी.एन.एल. भवन, नई दिल्ली	श्री निखिल मोहन गोयल, उप निदेशक	-
49.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर, लोधी रोड, नई दिल्ली	श्री कपेन्द्र साहू, वैज्ञानिक श्रीमती उषा सक्सेना, हिंदी अधिकारी	-
50.	दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, आई.एन.ए., नई दिल्ली	श्री सुनील विज, उप निदेशक (राजभाषा) श्री दीपक सक्सेना, स.नि.	-

		(राजभाषा)	
51.	कार्यालय उप महा निदेशक, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली	श्री शिव त्रिपाठी, उप निदेशक, उड़न योग्यता श्री मनीष कुमार शर्मा, सहायक निदेशक	-
52.	वायु सेना स्टेशन, तुगलकाबाद, नई दिल्ली	डॉ. सुरेंद्र कुमार मीणा, व.हि.अ.	-
53.	वायुसेना अभिलेख कार्यालय, सुब्रोतो पार्क, नई दिल्ली	श्री भागीरथ साहु, व.हि.अ.	-
54.	केन्द्रीय माल और सेवाकर, दक्षिण दिल्ली, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली	श्री अशोक तोलानी, सहायक आयुक्त	-
55.	केन्द्रीय विद्यालय, पश्चिम विहार, अम्बिका विहार, नई दिल्ली	श्री मुनेश कुमार शर्मा, पीजीटी (हिन्दी)	-
56.	केन्द्रीय माल और सेवाकर, लेखा परीक्षा-II, प्रथम तल, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली	श्री शशिकांत कुमार, उपायुक्त	-